25 सेंटर्स पर होगा 1500 सब्जेक्स का मूल्यांकन

» एकेटीयू सेमेस्टर परीक्षा मूल्यांकन, राजधानी में बनाए गये चार केंद्र

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (28 Dec): एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी की सेमेस्टर परीक्षाओं की कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य शुरू हो चुका है. सेमेस्टर परीक्षाओं के मूल्यांकन के लिए पूरे स्टेट में 25 केंद्र बनाए गए हैं. एकेटीयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि इनमें से राजधानी में चार केंद्र बनाए गए हैं. जिन पर मूल्यांकन का कार्य संपन्न कराया जाएगा.

गाइडलाइन के अतिरिक्त पैरलर व्यवस्था

एकेटीयू प्रशासन की ओर से पूर्व में ही मूल्यांकन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं. जिनके अनुसार परीक्षा विभाग की ओर से वाइस चांसलर की सहमति से प्रधान परीक्षक समेत कई दूसरी जिम्मेदारियों का उत्तरदायित्व शिक्षकों को सौंपा गया है. एकेटीयू की ओर से एक टीम बनाकर उसे मूल्यांकन से जुड़े तमाम कार्य सौंपे गए हैं. लेकिन इसके अतिरिक्त एक अन्य पैरलर व्यवस्था भी मूल्यांकन के दौरान खामियों को उजागर करने के लिए बनाई गई है. परीक्षा नियंत्रक से पूछे जाने पर हालांकि इसके बारे में सूचना सार्वजनिक न करने की बात कही गई. लेकिन उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था जानबूझकर रखी गई है जिसमें कई बड़े सरकारी संस्थानों से जुड़े प्रोफेसर और शिक्षक शामिल हैं. गौरतलब हो कि एकेटीयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि इनमें से राजधानी में चार केंद्र बनाए गए हैं. जिन पर मूल्यांकन का कार्य संपन्न कराया जाएगा.

वीसी ने जारी की थी गाइडलाइन

परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि हमारे पास तकरीबन तीस हजार की फैकेल्टी है, जो तकरीबन 1500 सब्जेक्स की आंसर शिट्स का मूल्यांकन करेगी. बताते चलें कि एकेटीयू के वीसी की ओर से पूर्व में ही मूल्यांकन के संदर्भ में गाइडलाइन जारी की जा चुकी हैं. परीक्षा नियंत्रक का दावा है कि हमारे द्वारा मूल्यांकन के कार्य को समय से निपटा कर परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे.

ऑनलाइन होगी मार्क्स की फीडिंग

बताते चलें कि एकेटीयू की ओर से सेमेस्टर परीक्षाओं का सही मूल्यांकन कराने को लेकर इसे डिजिटलाइज्ड भी किया गया है. प्रो. मिश्रा के अनुसार इस डिजिटलाइजेशन के अनुसार परीक्षक द्वारा कॉपियों को जांचने के बाद उसकी फीडिंग कर दी जाएगी. यह फीडिंग कॉलेज को दिए गए लॉगइन आईडी पासवर्ड के आधार पर की जाएगी. फीडिंग करने के बाद आंसर शीट्स को एकेटीयू के परीक्षा विभाग को भेज दिया जाएगा. प्रो. मिश्रा के अनुसार इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि हमारे लिए परीक्षा परिणाम को भी जारी करने में आसानी होगी. इस व्यवथा के द्वारा गलती भी कम होने की संभावना है.